ई–संस्करण, अंक 3

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children

गपशप

नमस्कार,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम सभी लॉकडाउन में हैं और अपने–अपने घर पर हैं, हमने सोचा कि अपने नियमित समाचार पत्र गपशप का ई–संस्करण लाया जाए। हम आपको लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान समय–समय पर इस तरह के ई–गपशप भेजते रहेंगे। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। आप इसे अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और आपके अनुसार जिन्हें भी इन लेखों को पढ़ने में मज़ा आए उनके साथ साझा कर सकते हैं।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

रूम टू रीड परिवार

मिशन गगनयान

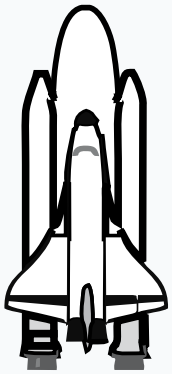

आपको मालूम है कि अब हमारा देश गगनयान को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रही है। अगर सबकुछ योजना के अनुसार हुआ तो भारत भी 2022 तक मानव को अंतरिक्ष में भेजने की क्षमता रखने वाले देशों में शामिल हो जाएगा।

गगनयान मिशन के लिए खास स्पेस सूट तैयार किया जा रहा है। संस्कृत शब्द 'व्योम' का अर्थ अंतरिक्ष होता है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री को व्योमनॉट नाम दिया गया है।

इस मिशन के तहत 3.7 टन के अंतरिक्ष यान के भीतर तीनों व्योमनॉट्स को बैठाया जाएगा। जी एस एल वी मार्क–3 रॉकेट से उसे अंतरिक्ष में भेजा जाएगा जो करीब 16 मिनट में ही अंतरिक्ष में तय जगह पर पहुँच जाएगा। गगनयान को धरती की सतह से 300 से 400 किमी की दूरी पर स्थापित किया जाएगा। सात दिनों तक वहाँ रहने के बाद गगनयान धरती की ओर लौट जाएगा।

हर कोई अंतरिक्ष के बारे में जानने को इच्छुक है। बढ़ती टेक्नोलॉजी और रोज नए–नए प्रयोगों से प्राप्त होने वाली अंतरिक्ष की जानकारी हमें इस बारे में जानने के लिए और अधिक उत्सुक बनाती है। हमारे इसी तरह के कई सवालों के जवाब को खोजने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा सन 1958 में एक संस्थान की स्थापना की गयी जिसका नाम नासा (NASA) है। नासा रोजाना अंतरिक्ष से सम्बन्धित नए–नए प्रयोगों और खोजों को अंजाम देता है। हमारे देश में भी इस तरह के कार्यो को अंजाम देने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) की स्थापना की गयी है। इन दोनों का ही कार्य अंतरिक्ष से जुड़े कई सवालों के जवाब के बारे में जानना और अंतरिक्ष में होने वाली घटनाओं के बारे में जानना है। नासा की शक्तिशाली हब्बल टेलिस्कोप ने अंतरिक्ष की कई आकाशगंगाओं की तस्वीरों को लेने का अद्भुत काम किया है। नीचे दिये गए चित्रों को देखें और समूह के साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा करें। आप नासा के दूसरे प्रयोगों के बारे में जानकारी लेकर भी समूह में चर्चा कर सकती हैं।

पिनव्हील गैलक्सी, इसे मेसियर 101 भी कहते हैं। यह पृथ्वी से 2.5 करोड़ प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है। यह तस्वीर इस आकाशगंगा की सबसे ज़्यादा जानकारी वाली तस्वीर है।

पिनव्हील से कुछ ही दूर सोमब्रेरो गैलेक्सी है, जिसे एम 104 भी कहते हैं। इसका फैलाव करीब 50 हजार प्रकाश वर्ष है और इसका आकार 800 अरब सूर्यों के आकार जितना है।

इन दोनों को एंटेने आकाशगंगा कहते हैं। ये एक दूसरे से अलग हो गई थीं, पर बाद में एक दूसरे को गुरुत्व से खींचने लगीं।

इसे बौना आकाशगंगा कहते हैं और इसका नाम आई जीवीके 18 है। यह हमारी आकाशगंगा मिल्की वे से भी छोटी है और 5.9 करोड़ प्रकाश वर्ष दूर है।

जानों पहचानों

साथियों इतनी सारी बातें जानने के बाद आपके मन में अलग-अलग कल्पनायें जाग गई होंगी। नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं आपको इनके बारे में जानकारी और सही नाम पता करना है। आप अपने परिवार या इंटरनेट से सहायता ले सकती हैं। आप उस जानकारी को अपनी डायरी में भी लिख सकती हैं।